Vitigo,

अस्तर सिह 34 भवित. वस्तर। वस्त्र रेहरादन

सवा हो.

महत्रिदशक.

विकित्सा स्वास्थ्य एवं परिचार कल्याण.

इलारांचल, वहरादुन ।

चिकित्सा अनुभाग-४

देहराइनः दिन्देक 12, अर्गपूल 2008

विषय: यर्थ 2004-05 में प्राठस्थाठकेन्द्र, राषवाला, जनपर रेहराहुन, न्यूली जनपर टिहरी, मरकोट जनपर पियाँसागढ़ सभा बल्डोंगी जनपद सत्तरमाशी की स्थापना हेतु सुचित अस्थाई पदी की निरन्तरता के रावंध में ।

महादय,

उपरोक्त प्रियमक अल्पके पत्र संस्था-७४/वर्ष मांग/३८/२००२-०३/५तरड विगोक २८.०२.२००७ के कम में पुले यह कहने का निरंता हुआ है कि भी सम्बद्धन शहीरम शासनादेश शंक्रण- 175/xxviii -3-2005-17/2005 रिशंक 31.03.2005 हमा प्राटक्साटकेन्द्र, सामामात, जनपद देहरादून हेतु 04 पद, न्यूनी, जनस्द दिवसी हेतु 04 पद, मदकीट जनपद विकीसागढ़ होतु 04 घट रामा सहदोनों, जनपद समारकारों होतु 04 घट को समारण हेतु सृजित अरकाई जुल 16 (धोलह) पदो को, गुजन संबंधी जासमादेश दिनोक 31.03.2005 में उत्तिनीवत शामी के अर्थान दिनोक 28.2.2007 सक सलते रहने को सहये स्वीकृति प्रदान करते हैं।

इस साचन्य में होने बाला क्या विकतिय वर्ष 2006-07 के अनुपान संक्या-12, लेखागीर्थक 2210-विकास तथा लोक स्थास्थ्य-आयोजनामा, ६३-गाभीच स्थास्थ्य ग्रेथाचे-पारच्याच चिकितमा पद्धति, १६०-अस्पतास तथा औरधालय, 01-नमें प्राथमिक स्थास्थ्य केन्द्रों की स्थापना भागक मद के अन्तर्गत सुसीमत इकाईयों के नामै दाला जायेगा :

3- यह आदेश किल विभाग द्वारा प्रतिनिधानित अधिकारी के अन्तर्गत करते किए जा रहें हैं।

মারপ্রায়

(असर सिंह) वप स्याचन

योडपा-163(1)/xxviii -5-2006-17/2005 ग्रह दिवादित ।

प्रवितिषि निम्नतिस्थित को सुचकर्य एवं आपरकक कार्यवाही हेत् प्रेषित :-

- 1- महालेखाचार, उत्पर्धचल, मानस देहरापुन ।
- 2- आयुक्त मह्याल/कृषाङ पण्डल, अवरावल ।
- जिलाधिकारी, पेहणपुर/दिवरी/विकीसमब्/द्वारकारी ।
- निरंशात मोधागार, उल्लासल देशानुत ।
- 5- मुख्य चित्रिकतामकारो, देहरादूव कांपाधिकारो, देहरादूव/दिहरो/निधीरापद्/दान्स्कारो ।
- 6- बिल्ल व्यय नियंत्रण अनु०-३/ निर्याजन विधाग /एन्। अस्ति ।
- 7- वजट राज्यकाप'य नियाजन एवं संसंधन सचिवालय, देहरादून १
- B- गार्ड फाइंस / एन०आई०सी०